अम्बे भवानी तेरी आरती गाऊं

अम्बे भवानी तेरी आरती गाऊं
शिव पटरानी तेरी आरती गाऊं

शीश मुकुट मैय्या, अद्भुत सोहे-२
लाल चुनर सबके, मन मोहे-२
देख छवि मां बलि बलि जाऊं...
अम्बे भवानी तेरी...

चरणों की तेरी, छवि निराली-२
चरणों पे जाए मैय्या, ये दुनिया वारी-२
उन चरणों पे मैं शीश नवाऊं...
अम्बे भवानी तेरी...

ध्यानूं भगत ने, तुमको पुकारा-२
कटा हुआ शीश तेरे, चरणों पे वारा-२
घोड़े का शीश तूने, पल में लगाया...
अम्बे भवानी तेरी आरती गाऊं...

मैय्या अनाथ की, नाथ आप हो-२
जीवन धन मेरी, प्राण आप हो-२
चरण कमल पे मैं, बलि-बलि जाऊं...
अम्बे भवानी तेरी आरती गाऊं...

पीर हरो हम, सबकी ओ माता-२
सारा जगत तेरा, ध्यान लगाता-२
आज तुम्हें मैं दिल से बुलाऊं...
अम्बे भवानी तेरी आरती गाऊं..

कहत गिरीश हे! जग-कल्याणी-२
कृपा करो हे! आदि-भवानी-२
भक्तों की पीर मैं, तुमको सुनाऊं...

अम्बे भवानी तेरी आरती गाऊं...

लेखक और गायक: पं गिरीश पाण्डेय

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33986/title/ambe-bhawani-teri-aarti-gaun

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |